# चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

# Ch. Charan Singh University, Meerut

पत्रांक : पी0ए0/2536
दिनांक : 29.01.2020

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या/सचिव/निदेशक,
समस्त सम्बद्ध शासकीय/अशासकीय/
स्ववित्त पोषित महाविद्यालय/संस्थान, मेरठ।

विषयः– राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी, 2020 से 13 फरवरी, 2020 तक "स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान" चलाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेरठ के पत्र संख्या–जि0कु0अधि0/स्पर्श कुष्ठ अभियान/2019–20 दिनांक 25.01.2020 जो कि अन्तर्गत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी, 2020 से 13 फरवरी, 2020 तक **"स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान"** चलाये जाने के सम्बन्ध में का सन्दर्भ ग्रहण करें। (छायाप्रति संलग्न)

अतः उक्त के मा0 कुलपति जी के आदेशानुसार मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि आप कृपया महाविद्यालयों/संस्थानों में विद्यार्थियों को महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी, 2020 से 13 फरवरी, 2020 तक **"स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान"** चलाये जाने के सम्बन्ध में जागरूकता रैली, अभियान चलाकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेरठ द्वारा दिये गये कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन /अनुपालन कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः–यथोपरि।

29/01/2020
कुलसचिव

प्रतिलिपि :–

01. सचिव कुलपति को मा0 कुलपति जी के सूचनार्थ।
02. मुख्य चिकित्सा अधिकरी, मेरठ को सूचनार्थ प्रेषित।
03. क्षेत्रीय, उच्च शिक्षा अधिकारी, मेरठ।
04. प्रेस प्रवक्ता, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
05. प्रभारी वेबसाइट, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

कुलसचिव

RVC-2183
28/1/20

VC 0119/2360
28/01/2020

# कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेरठ।

पत्रांक–जि0कु0अधि0 / स्पर्श कुष्ठ अभियान / 2019–20 दि0–25.01.2020

सेवा में,

1.प्रधानाचार्य, एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज, मेरठ।
2.अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पी0एल0शर्मा जिला अस्पताल / अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महिला अस्पताल मेरठ।
3.प्रधानाचार्य, सुभारती मेडिकल कॉलेज, मेरठ।
4.नगर आयुक्त, मेरठ।
5.जिला पंचायती राज अधिकारी, मेरठ।
6.अध्यक्ष, आई0एम0ए0 मेरठ।
7.बेसिक शिक्षा अधिकारी, मेरठ।
8.जिला विद्यालय निरीक्षक, मेरठ।
9.मुख्य विकास अधिकारी, मेरठ।
10.जिला कार्यक्रम अधिकारी, मेरठ।
11.कुलपति चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

विषय : राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अर्न्तगत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी 2020 से 13 फरवरी 2020 तक "स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान" चलाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि भारत सरकार एंव उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों तथा मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उ0प्र0 के पत्र संख्या–3A/NLEP/NP/2019-20/8629-5 दिनांक–15 जनवरी, 2020 जिलाधिकारियों के सम्बोधित है, एवं महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ, उ0प्र0 के पत्रसं0–11फ / कुष्ठ / 2020 / 691–860 दिनांक–15.01.2020 जो इस कार्यालय को प्रेषित है के द्वारा दिनांक 30 जनवरी 2020 को "स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान" आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं ( छायाप्रति संलग्न)।

कार्यक्रम की रूपरेखा निम्नवत् हैं।

1. कार्यक्रम का शुभारंभ 30 जनवरी 2020 को प्रातः 11:00 बजे जनपद की सभी ग्राम पंचायत / ग्राम सभाओं / नगरीय क्षेत्रों में, विशेष रूप से मलिन बस्तियों में, धार्मिक संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं, आँगनवाड़ी केन्द्रों, स्वंयसेवी संस्थाओं में जिलाधिकारी की अपील को पढ़ने के साथ किया जायेगा। ( अपील का प्रारूप संलग्न–1)
2. तत्पश्चात् ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम विकास अधिकारी / ग्राम प्रधान, स्कूलों के प्रधानार्चायों / स्वंयसेवी संस्थान प्रमुखों द्वारा, कुष्ठ विभाग द्वारा उपल्बध करायां जा रहा भाषण छात्रों एंव अध्यापकों आदि के सम्मुख पढकर सुनाया जाये।( भाषण का प्रारूप संलग्न–2)

3. तत्पश्चात् शुभंकर महात्मा गाँधी बने बालक या वयस्क द्वारा (संलग्न–3) में दिये गये कुष्ठ रोग के बारे में संदेश बताया जाये तथा (संलग्न–5) में दिये गये पोस्टर में सपना, जो कुष्ठ रोगी के बारे में बता रही हैं जिससे जनसमुदाय में कुष्ठ रोग से, लड़ने के प्रति जागरूकता बढे। तत्पश्चात् (संलग्न–6) में दी गयी कविता पढकर सुनाया जाये।
4. इसके पश्चात (संलग्न–7) के अनुसार कुष्ठ रोग के सम्बन्ध में आम सवाल–जवाब का एक सत्र होगा। जिससे जनसमुदाय/छात्रों में इस रोग के सम्बन्ध मे ज्ञान वर्धन हो, उनकी भ्रान्तियॉ दूर हो सकें।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस अभियान को सफल बनाने हेतु आप अपने स्तर से अपने अधीनस्थ सक्षम अधिकारियों/कमचारियों को आवश्यक आदेश/निर्देश जारी करने का कष्ट करें।

(डा0धीरेन्द्र कुमार)
जिला कुष्ठ अधिकारी,
मेरठ।

(डा0राजकुमार)
मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
मेरठ।

पत्रांक व दिनांक उपरोक्तानुसार
प्रतिलिपि–जिलाधिकारी, महोदय को सूचनार्थ सेवा में प्रेषित।

(डा0धीरेन्द्र कुमार)
जिला कुष्ठ अधिकारी,
मेरठ।

(डा0राजकुमार)
मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
मेरठ।

# कार्यालय जिला कुष्ठ अधिकारी, मेरठ।

सेवा में,

दिनांक– 22 जनवरी 2020

समस्त ग्राम प्रधान/सभासद/प्रधानाचार्य/स्वयंसेवी संस्थाएं आदि।
जनपद मेरठ।

विषय – राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी 2020 से 13 फरवरी 2020 तक ''स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान'' चलाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

पिछले तीन वर्षों के ''स्पर्श जागरूकता अभियान 2017 , 2018 एवं 2019 की जबरदस्त सफलता से प्रेरित होकर यह विचार किया गया है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के कुष्ठरोग के प्रति योगदान को जन समुदाय तक पहुंचाया जाये। जिससे जनता में कुष्ठरोग के प्रति भागीदारी में वृद्धि हो एवं कुष्ठरोग के प्रति कलंक एवं भेदभाव समाप्त हो। इस उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत सरकार द्वारा जिलाधिकारी महोदय के दिशा–निर्देशन में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी 2020 से 13 फरवरी 2020 तक ''स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान'' चलाये जाने के सम्बन्ध में निर्देश प्राप्त हुआ है। जिसके अनुसार दिनांक 30 जनवरी 2020 को प्रातः 11.00 बजे मेरठ जनपद के सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में निम्न गतिविधियाँ आपके द्वारा अपने कार्य–स्थल पर सम्पन्न कराई जानी है।

1. इस पत्र के साथ उपलब्ध कराई जा रही संलग्नक–01 में दी गई जिलाधिकारी की अपील को अपने क्षेत्र की ग्राम सभा के सदस्यों तथा निवासियों को एकत्र कर उनके समक्ष ग्राम विकास अधिकारी या ग्राम प्रधान के द्वारा पढ़कर सुनाया जायेगा। इसी प्रकार सभासदों द्वारा अपने क्षेत्र की जनता तथा स्कूलों, कार्यालयों व अन्य संस्थानों में प्रधानाचार्य/संस्था अध्यक्ष/संस्थान प्रमुख/कार्यालयाध्यक्ष आदि के द्वारा सभी छात्रों, अध्यापकों, सदस्यों एवं अधिकारियों आदि को पढ़कर सुनाया जायेगा।

2. तत्पश्चात इस पत्र के साथ संलग्नक–02 में दिये गये ग्राम प्रधान/सभासद/प्रधानाचार्य/स्वयंसेवी संस्था आदि संस्थान प्रमुख का भाषण उनके द्वारा उस सभा में उपस्थित निवासियो/छात्रों/सदस्यों/अधिकारियों आदि को पढ़कर सुनाया जायेगा।

3. तत्पश्चात शुभंकर महात्मा गांधी बने बालक या वयस्क द्वारा संलग्नक–03 में दिये गये कुष्ठ रोग के बारे में एक संदेश दिया जायेगा तथा संलग्नक–04 में दिये गये पोस्टर में सपना जो कुष्ठ रोगी के बारे में बता रही है जिससे जनसमुदाय में कुष्ठ रोग से लड़ने के प्रति जागरूकता बढ़े। तत्पश्चात संलग्नक–05–में दी गई कविता पढ़कर सुनाई जाएगी।

4. इसके पश्चात् संलनक–06 के अनुसार कुष्ठ रोग के सम्बन्ध में आम सवाल–जवाब का एक सत्र होगा। जिससे जनसमुदाय में इस रोग के संबंध में ज्ञान वर्धन हो और उनकी भ्रान्तियाँ दूर हो सकें।

5. अगर संभव हो तो आप या समुदाय के किसी भी अंग द्वारा पूर्व या वर्तमान में कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति का,उसकी अनुमति से, सम्मान किया जायेगा।

दिनांक 30 जनवरी से 13 फरवरी 2020 तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान मनाये जाने हेतु भी आप सभी का सहयोग वांछित है। आपसे मेरा अनुरोध है कि आप इस पत्र के साथ उपलब्ध कराये जा रहे पोस्टर आदि में दिये गये संदेश का प्रचार–प्रसार एवं संदेहास्पद रोगी मिलने पर उसे आशा/आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य कार्यकर्ता की मदद से मेडिकल कॉलेजों, जिला चिकित्सालय या नगरीय/ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर इलाज हेतु भिजवाने में सहयोग करेंगे।

संलग्नक– उपरोक्तानुसार।

संपर्क सूत्र – 9897395980

(डॉ0 धीरेन्द्र कुमार)
जिला कुष्ठ अधिकारी, मेरठ।

संलग्नक–1

## स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान–2020

## जिलाधिकारी की घोषणा

हम सभी मेरठ जनपद के जिम्मेदार नागरिक हैं और जिला प्रशासन यह घोषणा करता है कि आज महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि पर हम अपने जिले को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोडेगें। कुष्ठ रोगी को पहचानना बहुत आसान है और यह साध्य है। हम सभी कुष्ठ रोगियों को जितनी जल्दी हो सके खोजने के लिए हर सम्भव प्रयास करेगें। हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिले में उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग करेगें। इसके साथ हम यह भी घोषणा करते हैं कि हम कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति से कोई भेदभाव नहीं करेगें और न ही किसी दूसरे व्यक्ति को कुष्ठ रोग प्रभावित व्यक्ति के साथ भेदभाव करने देगें। हम व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों से जुडे कलंक और भेदभाव को समाप्त करने के लिए बापू जी के आदर्शों पर चलेगें और उनको समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए अपना पूर्ण योगदान देगें।

जिला अधिकारी
30 जनवरी, 2020

संलग्नक–2

# स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान–2020

## ग्राम प्रधान का भाषण

सर्व प्रथम मैं ग्राम सभा की बैठक में भाग लेने के लिए ग्राम पंचायत, पंचायत समिति के सदस्यों, सभी वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, बच्चों और मेरे भाईयों एवं बहनों सभी का धन्यवाद करता हूं।

आज महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि के अवसर पर ग्राम सभा ने अपने गांव और पूरे भारत को कुष्ठ रोग से मुक्त करने के लिए एक विशेष बैठक की व्यवस्था की है। जैसाकि हमने हमारे गांवों को पोलियो, स्माल पॉक्स से मुक्त बना दिया है। उसी तरह हमे आने वाले वर्षों में भारत को कुष्ठ रोग से मुक्त करना है। स्वास्थ्य विभाग भारत को कुष्ठ रोग से मुक्त करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। इस बिमारी के इलाज के लिए दवाई (एम0डी0टी0), सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में मुफ्त उपलब्ध है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता सम्भवत: जितनी जल्दी हो सके संदिग्ध कुष्ठ रोगियों का पता लगाने और पहचानने के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण कर रहे हैं। अगर किसी व्यक्ति की त्वचा तैलीय है व शरीर पर हल्के रंग के दाग, धब्बे हैं जोकि सुन्न हैं ऐसे व्यक्ति संदिग्ध कुष्ठ रोगी हो सकते हैं। इस अवस्था में स्वास्थ्य केन्द्र पर तुरन्त जाकर जांच करानी चाहिए क्योंकि उपचार में देरी होने से विकलांगता हो सकती है। विकलांगता मुख्य रूप से उन्हीं प्रभावित व्यक्तियों में होती है, जो समय पर मुफ्त (नि:शुल्क) में उपलब्ध उपचार का लाभ नहीं लेते हैं। कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को शीघ्र खोजकर उन्हें ससमय उपचार देकर पूर्ण रूप से ठीक किया जा सकता है और भविष्य में होने वाली विकलांगता से बचाया जा सकता है। किसी प्रकार के अन्ध विश्वास, कल्पना या अफवाह पर विश्वास कतई न करें।

इस 30 जनवरी 2020 को भी हम महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि को स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के रूप मना रहे हैं और इस अभियान का यह प्रयास है कि कुष्ठ रोग के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। हम सभी को भारत से कुष्ठ रोग को समाप्त करने के लिए हर सम्भव प्रयास करने हैं।

धन्यवाद।

| | | |
|---|---|---|
| जिला कुष्ठ अधिकारी<br>मेरठ | मुख्य चिकित्सा धिकारी<br>मेरठ | जिलाधिकारी<br>मेरठ |

# स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान–2020

## संदेश

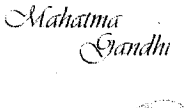


- जल्द जांच, समय से इलाज,

कुष्ठ से मुक्ति, विक्लांगता से बचाव

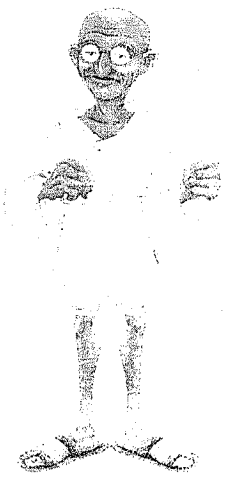

- चमड़ी पर दाग, चकत्ते , सुन्नपन कुष्ठ रोग हो सकता है !
- कुष्ठ रोग की शंका होने पर पास के स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करे
- कुष्ठ रोग का मुफ्त इलाज सभी स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध है !
- कुष्ठ रोग पूरी तरह से ठीक हो जाता है !
- कुष्ठ रोगी से भेदभाव न करे !
- कुष्ठ रोग माईकोबैक्टीरियम लेप्रे नाम जीवाणु द्वारा होता है। यह अनुवांशिक रोग नहीं है।
- कुष्ठ रोग पूर्व जन्म में किये गये पापों का फल नहीं है।
- शरीर पर हल्के रंग के दाग धब्बे होना जिनमें सुन्नता हो यह कुष्ठ रोग का प्रमुख लक्षण है।
- अगर आप इस तरह के लक्षण वाले किसी भी व्यक्ति के सम्पर्क में आते हैं तो उन्हें तुरन्त आशा बहन जी या ए0एन0एम0 बहन जी या बहुउददेशीय कार्यकर्ताओं के सम्पर्क में लायें। वह आपको इसके उपचार हेतु सही मार्ग दर्शन प्रदान करेगें।
- सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में इसका इलाज मुफ्त में उपलब्ध है।
- कुष्ठ रोग पूर्णतया साध्य है।
- जल्द जांच समय पर इलाज कुष्ठ से मुक्ति, विकलांगता से बचाव ।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान–2020

# कुष्ठ रोग पर कवीता

# अनुभव

चमड़ी के दागों से, कान की गठानो से
यहाँ–वहाँ भटके, तांत्रिक के जाल में अटके
सालो तक भटके
आखिर, एम,डी,टी. खायी
सरकारी अस्पताल ही काम आयी
जो जल्दी जांच करायेगा
पूरी औषधि खायेगा
कुष्ठ मुक्त हो जायेगा
विकृति से बच जायेगा
कभी नहीं पछतायेगा।

जिला कुष्ठ अधिकारी
मेरठ

मुख्य चिकित्सा धिकारी
मेरठ

जिलाधिकारी
मेरठ

# स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान–2020

## अक्सर पूछे जाने वाले सामान्य प्रश्न एवं उनके उत्तर

प्रश्न 1. कुष्ठ क्या है?

- कुष्ठ रोग एक दीर्घकालिक (पुरानी) संक्रामक रोग है।
- इसमें त्वचा पर हल्के रंग के धब्बे दिखाई देते है। जो कुष्ठ रोग की शुरूआती पहचान है। यह तंत्रिकाओं, त्वचा और आंखों को प्रभावित करता है।
- संक्रामक रोगों में, स्थायी शारीरिक विकलांगता हो सकती है, लेकिन यह रोग बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि इस बिमारी में विशेष रूप से रोगी में होने व दिखने वाली विकृति(विकलांगता) ही मरीज के साथ सामाजिक भेद–भाव के लिए जिम्मेदार हैं।

प्रश्न 2. कुष्ठ रोग का क्या कारण है?

- कुष्ठ रोग बैक्टीरिया (मायकोबैक्टीरियम लेप्रे) के कारण होता है।

प्रश्न 3. यह बीमारी कैसे फैलती है ?

- अनुपचारित कुष्ठ रोगग्रस्त व्यक्ति के जीवाणु द्वारा फैलता है । संक्रामक व्यक्तियों के नाक व मुँह से विशेष रूप से नाक के रास्ते शरीर से बाहर निकलता है।
- यह खाँसने, थूकने एवं छीकने से नाक व मुह के माध्यम से सामान्य रूप से शरीर में प्रवेश करता है।
- शरीर में प्रवेश करने के बाद, बैक्टीरिया तंत्रिकाओं और त्वचा में प्रवेश करता है और इनको प्रभावित करता है।
- अगर इसे शुरुआती चरणों में निदान और उपचार नहीं किया जाता है, तो यह तंत्रिकाओं को और नुकसान पहुंचा सकती है जिससे स्थायी अक्षमता के विकास की ओर अग्रसर हो सकता है।

प्रश्न 4. क्या यह रोग वंशानुगत होता है ?

- यह कहने का कोई सबूत नहीं है कि यह वंशानुगत है।

प्रश्न 5. कुष्ठ रोग के लक्षण क्या हैं?

- यदि किसी व्यक्ति में निम्नलिखित मे से लक्षण दिखाई देता है, तो कुष्ठ रोग का संदेह होना चाहिए।
- हल्के रंग के या ताबई रंग के दाग, धब्बे हो सकते हैं।
- त्वचा के दाग, धब्बों में संवेदनहीनता(सुन्नपन), हाथ, या पैरों में अस्थिरता या झुनझुनी
- हाथ, पैर या पलकों की कमजोरी ।
- नसों में दर्द।
- कान/ चेहरे पर सूजन या गांठ।
- हाथों या पैरों पर सुन्न घाव

प्रश्न 6. कुष्ठ रोग का इलाज क्या है?

- यह रोग पूर्णतः मल्टी ड्रग थेरेपी (एम0डी0टी0) द्वारा ठीक किया जा सकता है यदि समय से शीघ्र उपचार किया जाय।
- एमडीटी के साथ पर्याप्त उपचार के बाद पुनरावृत्ति अत्यंत दुर्लभ है।

प्रश्न 7. कुष्ठ रोगियों में  लक्षण दिखने में कितना समय लगता है ?

- बीमारी के लक्षण लंबे समय के बाद दिखाई देते हैं क्योंकि कुष्ठरोग से रोगी बनने में (इन्क्यूबेशन अवधि) कुछ हफ्तों से 20 साल या उससे अधिक का समय लगता है।
- बीमारी की औसत इन्क्यूबेशन अवधि पांच से सात साल तक होती है।

प्रश्न 8. कुष्ठ रोग के संदेह के मामले में क्या किया जाना चाहिए ?

- कुष्ठ रोग के लक्षणों की उपस्थिति के मामले में, कृपया अपने क्षेत्र की आशा या एएनएम से संपर्क करें या निकटतम दवाखाने पर जाएं। सभी सरकारी अस्पतालों में कुष्ठ रोग का उपचार निःशुल्क उपलब्ध है।

प्रश्न 9 कुष्ठ रोग के प्रभाव क्या है ?

- यह संवेदी और मांसपेशियों की कमजोरी के परिणा मस्वरूप तंत्रिका क्षति के कारण शारीरिक विकलांगता और विकृति का कारण बनता है।
- इसके फलस्वरूप त्वचा सूख जाती है, जो अतिरिक्त संवेदी विकृतियों के साथ, कठोर त्वचा, छाले और अल्सर के विकास का कारण बनती है
- यदि अल्सर को उपेक्षित किया गया तो यह विकलांगता को बढ़ा सकता है यह मांसपेशियों के लकवा ग्रस्त होने से होता है।

प्रश्न 10. कुष्ठ रोग के लिए दवा कहां उपलब्ध है ?

- प्रदेश में सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर एमडीटी मुफ्त उपलब्ध है राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, एनजीओ संस्थानों सहित सामान्य स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम े प्रत्येक वर्ष निदान किए गए सभी मामलों में उपचार निःशुल्क प्रदान किया जाता है।

प्रश्न 11. क्या विकृति चिकित्सा (उपचार) से ठीक हो सकती है ?

- नहीं, लेकिन शुरुआती पहचान और उपचार से रोका जा सकता है।
- एमडीटी को जितनी जल्दी हो सके शुरू किया जाना चाहिए जिससे व्यक्ति को कुष्ठ रोग से मुक्त किया जा सके। जो लोग तंत्रिका कार्यों की अपरिवर्तनीय हानि के बाद देर से एमडीटी शुरू करते हैं या छोड़ देते हैं । वहीं विकृतियों के साथ शारीरिक रूप से अक्षम हो जाते हैं इस तरह की विकृति Reconstructive Surgery के द्वारा दूर की जा सकती है।

प्रश्न 12. क्या सर्जरी से विकृति को ठीक किया जा सकता है ?

- सर्जरी द्वारा केवल आंशिक विकृति को ठीक किया जा सकता है

प्रश्न 13. विकलांगता को कैसे रोकें ?

- जितनी जल्दी हो सके रोग की पहचान कर ससमय एम0डी0टी0 उपचार द्वारा विकृति को रोका जा सकता है।
- इसलिए नियमित उपचार (एमडीटी) लेना महत्वपूर्ण है, संवेदनहीनता या तंत्रिका में दर्द की स्थिति में तुरंत रिपोर्ट करें

प्रश्न 14. क्या कुष्ठ रोग से ग्रस्त व्यक्ति को सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र भेजा जाना चाहिए ?

- जी हाँ।

प्रश्न 15. क्या मैं कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति के साथ रह सकता हूं ?

- हां, आप कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति के साथ रह सकते हैं क्योंकि यह अत्यधिक संक्रामक नहीं है कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों को अपने परिवार और समुदाय से अलग नहीं किया जाना चाहिए। वे सामाजिक कार्यकमों में भाग ले सकते हैं और काम या स्कूल को जा सकते हैं।

प्रश्न 16. क्या कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति विवाहित हो सकता है ?

- जी हाँ, कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति सामान्य विवाहित जीवन जी सकता है और बच्चे भी पैदा कर सकता है।

प्रश्न 17. क्या कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति के संपर्क में आने वालों को जांचना आवश्यक है ?

- जो लोग कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति के साथ रहते हैं, उन्हें बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, एक ही घर में रहने वाले लोगों और करीबी दोस्तों में नियमित रूप से कुष्ठ के लिए जांच की जानी जरूरी है। साथ ही, कुष्ठ रोग के संकेत और लक्षणों के साथ–साथ उन्हें कुष्ठ रोगी व उनके साथ रहने वाले सहायकों को कुष्ठ रोग के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।

प्रश्न 18. एम0डी0टी0 के बारे में क्या जानना चाहिए ?

- एमडीटी अलग–अलग दवाओं का एक संयोजन है क्योंकि कुष्ठ रोग का एकल ( एंटी–कुष्ठ) दवा द्वारा इलाज सम्भव नहीं है।
- कुष्ठ रोग के प्रकार के अनुसार प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा निर्धारित एम0डी0टी का पूरा कोर्स प्राप्त करना चाहिए।
- दूरदराज के क्षेत्रों में अधिकांश स्वास्थ्य सुविधाओं पर एमडीटी निःशुल्क उपलब्ध है।
- एम0डी0टी0 (कुष्ठ रोग की दवा) से होने वाली कोई भी प्रतिकूल लक्षण होने पर निकटतम स्वास्थ्य केन्द्रों पर रिपोर्ट की जानी चाहिए।

प्रश्न 19. क्या होगा यदि एक कुष्ठ रोगी एमडीटी उपचार के निर्धारित कोर्स को पूरा नहीं करता है ?

- यह समझना महत्वपूर्ण है कि कुष्ठ रोगी को एमडीटी का एक पूरा कोर्स करना होगा। हालांकि, ऐसी परिस्थितियां हैं जहां रोगी को इलाज रोकना पड़ सकता है।
- जैसे यदि रोगी को उस जगह से बाहर जाना पडता है, जहां वह रहता है, तो निम्नलिखित कार्यों की सलाह दी जाती है।
- स्वास्थ्य केंद्र से एक रेफरल पत्र के लिए अनुरोध करें जहां वह वर्तमान में उपचार ले रहा है। पत्र में उपचार ,वं रिपोर्ट का विवरण शामिल होना चाहिए।
- अपने नए स्थान पर सबसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में रिपोर्ट करने से पहले, निरंतर उपचार के लिए पर्याप्त एम0डी0टी0 स्टॉक के लिए उसी स्वास्थ्य केंद्र से लेना सुनिश्चित करें। सभी स्वास्थ्य केंद्र में कुष्ठ रोग का उपचार और देखभाल की सेवा उपलब्ध है।
- रेफरल पत्र को अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र पर रिपोर्ट करे तथा नये स्वास्थ्य केन्द्र को अपने नये पते के बारे में सम्पर्क नम्बर सहित बतायें।

प्रश्न 20. एम0डी0टी0 के साथ प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं क्या हैं ?

- एम0डी0टी0 पूर्णतः सुरक्षित है, और गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रिया दुर्लभ हैं।
- मामूली कुप्रभाव हो सकते हैं।
- Rifampicin: से लाल रंग का मूत्र होता है।
- Dapson: से एनीमिया होता है।

- Clofazimine: से त्वचा का रंग भूरा हो सकता है।

प्रश्न 21. क्या माँ और बच्चे के लिए गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान एमडीटी सुरक्षित है ?

- जी हाँ।

प्रश्न 22.रिलैप्स (Relapse) क्या है ?

- कुष्ठ रोग के पूर्ण उपचार के पश्चात पुनः कुष्ठ के लक्षण यदि दिखायी देते हैं तो उसे Relapase कहते हैं।

प्रश्न 23. कुष्ठ रोग की प्रतिक्रिया क्या है ?

- कुष्ठरोग प्रतिक्रिया, त्वचा के दाग, धब्बों में लालिमा, सूजन और दर्द का अचानक उभर आना । त्वचा पर नये धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं। यह प्रतिकिया उपचार के दौरान, उपचार से पहले अथवा उपचार के बाद हो सकती है। इस अवस्था में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर उपचार लिया जाय।

प्रश्न 24.कार्यक्रम का वर्तमान फोकस क्या है ?

- किसी भी समुदाय में कुष्ठ रोगी को प्रारम्भिक अवस्था में खोजकर उसका ससमय एम0डी0टी0 द्वारा पूर्ण उपचार करना जोकि कुष्ठ रोग के बोझ को कम करने में सहायक सिद्ध होगा। हमारी रणनीति का मूल सिद्धान्त है कि इस रणनीति कौशल में वृद्धि करना और कार्य कुशल स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या में वृद्धि एवं कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों की कुष्ठ सेवाओं में भागीदारी बढाना जिससे दिखाई देने वाली विकृतियों जिसे हम ग्रेड–2 विकलांगता (ग्रेड–2 केस) भी कहते हैं, को कम किया जा सके ताकि इस रोग से जुडे हुए कलंक को समाप्त करने में सफलता प्राप्त करें एवं कुष्ठ रोग से ग्रसित व्यक्ति समाज की मुख्यधारा में जुड़ सकें।